एक नजर में

दामखेड़ा नागराज मंदिर में 7 वर्ष पूर्ण

खरगोन, निप्र। खरगोन नगर से लगभग खंडवा रोड पर 30 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम गढ़ी के दामखेड़ा नागराज मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के सात वर्ष पूर्ण होने पर भव्य धार्मिक आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर मंदिर का विशेष श्रृंगार किया गया और आकर्षक सजावट के बीच श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कार्यक्रम की शुरुआत विशेष पूजा-अर्चना और आरती के साथ हुई, जिसमें ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पूरे वातावरण में भक्ति की भावना देखने को मिली। आरती के पश्चात प्रसादी का भोग लगाया गया, जिसे भक्तों ने श्रद्धा भाव से ग्रहण किया। मंदिर समिति के अनुसार, स्थापना के बाद से ही यहां नियमित रूप से भजन-कीर्तन, सुंदरकांड पाठ और विभिन्न धार्मिक आयोजन होते आ रहे हैं, जिससे गांव में आध्यात्मिक माहौल बना रहता है। इस खास मौके को यादगार बनाने के लिए श्रद्धालुओं ने केक काटकर उत्सव मनाया। भक्तों ने दामखेड़ा नागराज मंदिर में दर्शन कर पुन: लाभ प्राप्त किया और इस पावन अवसर को हर्षोल्लास के साथ मनाया।

डॉ. रविबाला की कृति सिया शौर्य गाथा... बनी नारी शक्ति का घोष

खरगोन, निप्र। निमाड़ की माटी से निकले शब्द जब संस्कृति का स्वर बनते हैं, तब वे केवल साहित्य ही नहीं रचते, बल्कि युग की चेतना लिखते हैं। सीता जी के चरित्र पर चर्चित कृति वनदेवी द सिया शौर्य गाथा एक बार फिर साहित्य और समाज के केंद्र में है। लेखिका डॉ. रविबाला निशांत महाजन की यह पुस्तक माता सीता के जीवन के उस हृदय स्पर्शी प्रसंग, निर्वासन, को नई संवेदनाएं, नई दृष्टि और अद्भुत गरिमा के साथ प्रस्तुत करती है। यह कृति माता सीता को केवल त्याग और पीड़ा की प्रतीक नहीं, बल्कि वनदेवी- धैर्य, शौर्य, आत्मबल और मर्यादा की जीवंत प्रतिमा के रूप में स्थापित करती है। वाल्मीकि आश्रम में तप, मातृत्व और आत्म गौरव से भरी सिया की यात्रा इस पुस्तक में भावनात्मक ऊंचाइयों तक पहुंचाती है। वहीं राम को भी एक संवेदनशील पति और राजधर्म से संघर्षरत व्यक्तित्व के रूप में गहनता से उकेरा गया है। पुस्तक की प्रस्तावना एक सशक्त संदेश देती है कि आज प्रत्येक महिला- पुरुष और बालिका को माता सीता के चरित्र को केवल पढ़ना नहीं, बल्कि आत्मसात करना चाहिए। यह कृति स्त्री गरिमा, शक्ति और पुरुषार्थ का ऐसा बोध कराती है जो वर्तमान समाज के लिए दिशा.सूचक बन सकता है। प्रतिष्ठित चिकित्सक एवं साहित्य साधिका श्रीमती रविबाला निशांत महाजन एमबीबीएस डीए उपाधि प्राप्त निश्चेतना विशेषज्ञ हैं।

आशा भोंसले को सुरमई ग्रुप ने दी स्वरांजलि

खरगोन, निप्र। स्वर को आत्मा से जोड़ देने वाली अपनी सुरीली आवाज के लिए प्रसिद्ध महान पार्श्व गायिका आशा भोंसले को सुरमई ग्रुप ने भावभीनी संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में उनके लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। सुरमई ग्रुप की रेखा कंसारे ने बताया कि आशा भोंसले अपने दौर की श्रेष्ठतम गायिकाओं में शामिल रही हैं, जिन्होंने हर तरह के गीतों को अपनी आवाज से जीवंत बना दिया। इस विशेष कार्यक्रम में अभी ना जाओ छोड़ कर, दिल चीज क्या है आप मेरी जान लीजिए, आओ हुजूर तुमको, आगे भी जाने न तू और चुरा लिया है तुमने जो दिल को.. जैसे सदाबहार गीतों की शानदार प्रस्तुतियां दी गईं। इस संगीतमय आयोजन में रेखा कंसारे, मधुलिका गावशिंदे, रानू सैनी, मोहन गावशिंदे, श्याम महाजन, तेजिंदर सैनी, अनिरुद्ध यादव और डॉ. नंदकिशोर कोठे सहित अन्य कलाकारों ने अपनी गायकी से समां बांध दिया।

प्रदेशव्यापी विशेष जेल लोक अदालत का उद्घाटन

खरगोन, निप्र। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के तत्वाधान में रविवार को ग्वालियर की केन्द्रीय जेल में प्रदेशव्यापी विशेष जेल लोक अदालत की शुरुआत की गई। मुख्य न्यायाधिपति म.प्र. उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर श्री संजीव सचदेवा द्वारा लोक अदालत का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर जिले की जिला जेल खरगोन को भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ऑनलाइन जोड़ा गया, जहां लोक अदालत की खण्डपीठ की बैठक आयोजित हुई। ऑनलाइन उद्बोधन में यह संदेश दिया गया कि स्थायी शांति के लिए दोनों पक्षों के बीच राजीनामा आवश्यक है। यह भी कहा गया कि हर व्यक्ति में सुधार की संभावना होती है और जेल से बाहर आकर समाज का सकारात्मक हिस्सा बनकर रोजगार से जुड़ते हुए अच्छा उदाहरण प्रस्तुत किया जा सकता है। कार्यक्रम में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मण्डलेश्वर श्री अखिलेश जोशी, जिला न्यायाधीशगण, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट खरगोन, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला विधिक सहायता अधिकारी, जिला जेल प्रशासन के अधिकारी, चीफ लीगल एड डिफेंस, डिप्टी एवं असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल, पैनल लॉयर्स तथा पैरालीगल वॉलेंटियर्स उपस्थित रहे। इस विशेष पहल का मुख्य उद्देश्य जेलों में लंबे समय से लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करना है, ताकि बंदियों को समय पर न्याय मिल सके और न्याय व्यवस्था पर बढ़ते बोझ को कम किया जा सके। यह विशेष जेल लोक अदालत जिले में न्याय तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने तथा बंदियों को कानूनी राहत प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भीषण गर्मी में पक्षियों के लिए दाना-पानी के लिए बांटे सकोरे

खरगोन, निप्र। निमाड़ अंचल में इन दिनों गर्मी का हाहाकार मचा हुआ है। तापमान 42 डिग्री पर पहुंच गया है। ऐसे में इंसानों की प्यास बुझाने के लिये तो प्याऊ खोले गए है, लेकिन बेजुबान परिंदों के लिये पेयजल ओर दाने की व्यवस्था को लेकर भी सामाजिक संगठन चिंतित नजर आ रहे है। शनिवार को भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए मारवाड़ी महिला समिति ने सकोरे का वितरण किया जिससे पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था हो सके। समिति की महिलाओं ने विभिन्न स्थानों पर मिट्टी के पात्रों में पानी एवं दाना रखकर पक्षियों को राहत देने का प्रयास किया। समिति की अध्यक्ष किरण गोयल एवं सचिव रिंपल गोयल ने नागरिकों से अपील की कि वे भी अपने घरों की छत, आंगन एवं आसपास के स्थानों पर पक्षियों के लिए दाना-पानी रखें, जिससे इस भीषण गर्मी में पक्षियों को जीवनदान मिल सके। कार्यक्रम में उपस्थित राधा अग्रवाल ने कहा हर साल भीषण गर्मी के कारण हमारी पशुओं की कई प्रजातियां नष्ट हो रही है। हर घर हर आंगन में एक सकोरा निश्चित रूप से होना चाहिए। इस कार्यक्रम में खरगोन मारवाड़ी महिला समिति 26 सदस्य उपस्थित थे।

सिर्फ हिंदू एकता से ही निकलेगा समस्याओं का हल : जैन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख जन गोष्ठी में लोगों को कराया सामाजिक एकता का बोध

नवभारत न्यूज

खरगोन, निप्र। हर समय शासन या प्रशासन समस्या का हल नहीं कर सकता, हिन्दू समाज को अपनी रक्षा और विधर्मी तत्वों से निपटने की जिम्मेदारी स्वयं उठानी चाहिए। इतिहास को सब जानते है, लेकिन उससे सीखने की आवश्कता है। हमारे इतिहास पर नजर डालें तो भारत की एक हजार वर्षों की गुलामी का मुख्य कारण विदेशी आक्रांताओं की शक्ति नहीं, बल्कि हमारे अपने समाज का असंगठित होना था। जब समाज एकजुट हुआ तो आजादी भी मिली, मानव जाति और देवस्थलों की रक्षा भी हुई। यह विचार रविवार को शहर के सनावद रोड़ स्थित रिसोर्ट में संघ शताब्दी वर्ष निमित्त आयोजित प्रमुख जन गोष्ठी में मुख्य वक्ता अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख अरुण जैन ने व्यक्त किए।

उन्होंने आगे कहा कि सामाजिक सुधार के लिए किसी बाहरी ताकत की आवश्यकता नहीं है, समाज स्वयं में सुधार ला सकता है। इस दौरान जिला संघ चालक अजय जैन, नगर संघ चालक हुकुम वर्मा मंचासीन रहे। अतिथि परिचय डॉ. अनुपम अत्रे ने दिया। एकल गीत मनोज परसाई ने प्रस्तुत किया। गोष्ठी का समापन राष्ट्रगान से हुआ। जैन ने कहा हमारी आजादी का प्रतीक तिरंगा भी है और सोमनाथ मंदिर भी है, जिसे कई बार ध्वस्त होने के बाद भी जीर्णोद्धार होता रहा और धर्मध्वजा लहरा रही है।

हिंदू समाज को बांटने का षडयंत्र है

जनहितैषी कार्यों का दिया संकल्प

गोष्ठी में श्री जैन ने उपस्थित श्रोताओं को समाज, पर्यावरण हित में कार्य करने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने संकल्प दिलाया कि, पर्यावरण के लिए पौधा लगाएं, पॉलिथिन का उपयोग न करें, कॉलोनी, मोहल्ले, बस्ती में मेलजोल रखें। आवश्यकता पड़ने पर मदद का भाव रखें, इन छोटे- छोटे कार्यो से ही और भी लोग प्रेरित होंगे।

जातिवाद, नशा:- श्री जैन ने कहा संघ समाज जागरण का काम कर रहा है। संघ समाज से अलग नही, समाज ही संघ है। उन्होंने आह्वान किया कि समाज में व्याप्त कुरीतियां, सामाजिक बुराईयां जैसे नशा, छुआछुत, अपराध, दहेज प्रथा इसे मिटाना शासन-प्रशासन का काम नही बल्कि खुद समाज कर सकता है। यह समाज को बांटने का काम कर रहे है। नशा, नक्सलवाद, जातिगत भेदभाव यह समाज में वैमनस्यता फैलाकर विधर्मी ताकतों का उद्देश्य हिंदू समाज की एकता को कमजोर करना है, लेकिन संघ के प्रयासों से आज समाज पुन: संगठित हो रहा है। उन्होंने सामाजिक एकजुटता और जागरूकता को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया।

जिसके मन में देश और समाज हित का भाव वह हिंदू:- जैन ने कहा कि हिंदू संस्कृति को मिटाने का हजारों सालों से प्रयास हो रहा है। मुस्लिम आक्रांताओं के साथ ही अंग्रेजों ने भी प्रयास किया, लेकिन हिंदू महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी जैसे महानायकों, पुरखों और संस्कृति को मानता है, जो हिंदूत्व को बढ़ावा देती है। जो लोग हिंदूस्तान को अपना, हिंदूस्तान के दुश्मन को अपना दुश्मन मानता है वह सभी हिंदू है। पूर्व राष्ट्रपति ऐपीजी अब्दुल कलाम का उदाहरण देते हुए कहा कि श्री कलाम ने विदेशों से नौकरी का ऑफर छुकरा दिया और देश के लिए काम किया। वे अबकर, बाबर, गजनवी को मानते थे। यही भाव उन्हें सच्चा हिंदूस्तानी बनाता है। संगठन से ही 1988 में राम रथ यात्रा, 1989 में रामशीला पूजन में समूचे देश के हिंदूओं के एकजुट होने का कारण ही था कि रामसेतू तोडने से तत्कालीन सरकार को पीछने हटना पड़ा। आज हिंदूओं के संघर्ष-बलिदान का फल अयोध्या का राममंदिर है। इसलिए संगठन एकता को समझें, तो अपने आसपास की समस्याएं स्वत: ही हल हो जाएगी।

डाकघर आधार शिविर अपडेट मामले में मंडलेश्वर का प्रदर्शन रहा श्रेष्ठ

मंडलेश्वर, निप्र। भारत सरकार ने आधार नामांकन और अपडेट के लिए विशेष शिविर का आयोजन भारतीय डाक विभाग द्वारा शनिवार को किया गया जिसमे सुबह 08 बजे से शाम 06 बजे तक डाक घरो में आधार अपडेट और नामांकन का कार्य लगातार किया गया। इस कार्य में खरगोन और बड़वानी जिलों के सभी डाक घरो में पहला स्थान मंडलेश्वर उप डाक घर को प्राप्त हुआ हैं।

शिविर में 20 बच्चों के नए आधार नामांकन और 60 लोगो के आधार अपडेट किए गए। अपडेट में नाम, पता, जन्म तिथि, मोबाईल नंबर, और बायोमैट्रिक अपडेट किए गए। ग्रामीण क्षेत्र के लोगो के आधार में नाम पते कि गलतियां आम थी जिनके लिए उन्हें बार बार आधार केंद्रों के चक्कर लगाना पड़ता था। मंडलेश्वर उप डाक घर के नायब पोस्ट मास्टर संदीप शर्मा ने बताया कि विशेष शिविर के लिए डाक विभाग द्वारा आमजन कि सुविधा के लिए बैठक व्यवस्था और पेय जल व्यवस्था कि गईं थी। सफल शिविर के लिए डाक विभाग ने नगर परिषद का आभार व्यक्त किया हैं।

नगर परिषद अध्यक्ष विश्वदीप मोयदे ने बताया कि जिस तरह विशेष शिविर में आम जन लाभान्वित हुए हैं उसी तरह एक विशेष शिविर उन नागरिकों के लिए भी लगना चाहिए जिन्होंने नामांकन नहीं करवाया हैं ऐसे कई नागरिक नगर में हैं जो 18 से 50 कि उम्र के हैं लेकिन उनके आधार नहीं हैं ऐसे नागरिकों को इंदौर /भोपाल या दिल्ली जाकर नामांकन करवाने के लिए कहा जाता हैं। ऐसे ही एक नागरिक महेश सुंदरलाल वर्मा जो एक ठेला गुमटी पर दुकान चलाते हैं जो 50 वर्ष से अधिक कि उम्र पार कर चुके जो वोटिंग करते हैं लेकिन उनका आधार कार्ड नहीं हैं ऐसे कुछ और व्यक्ति नगर में हैं ग्रामीण क्षेत्रो में यह संख्या ज्यादा हो सकती हैं ऐसे लोगो के लिए भी विशेष शिविर लगाकर नए आधार बनाने कि सुविधा दी जाना चाहिए।

गौ माता की सेवा-रक्षा कर्तव्य नहीं, बल्कि हमारा धर्म और सनातन संस्कृति की पहचान भी...

बड़वाह, निप्र। पावन मोहिनी एकादशी का आज सोमवार को शुभ अवसर है। इस पवित्र दिन पूरे देश में गौ माता को 'राष्ट्र माता' घोषित किए जाने की मांग को लेकर जागरूकता और आंदोलन किए जा रहे हैं। ऐसे पुण्य कार्य में हम सभी को भी आगे बढ़कर भाग लेना चाहिए और अपनी आस्था की आवाज़ को सशक्त बनाना चाहिए। गौ माता की सेवा और रक्षा करना केवल एक कर्तव्य नहीं, बल्कि हमारा परम धर्म और सनातन संस्कृति की पहचान है। जब तक हम अपनी जड़ों और मूल्यों की रक्षा नहीं करेंगे, तब तक समाज और राष्ट्र की सच्ची उन्नति संभव नहीं है।

जब श्रीराम ने अवतार लिया, तब वे सामान्य बालकों की तरह रोए नहीं। तब माता कौशलया ने उनसे प्रार्थना की कि वे बाल रूप में व्यवहार करें। यह प्रसंग हमें सिखाता है कि ईश्वर अपनी लीला से भक्तों को स्नेह और अपनत्व का अनुभव कराते हैं। जो लोग सच्चे मन से भगवान का आश्रय ग्रहण करते हैं, उनके जीवन में अशुभ का स्थान नहीं रहता। उनके साथ जो भी होता है, वह अंतत: कल्याणकारी और शुभ ही सिद्ध होता है। जब भगवान श्रीराम ने अवतार लिया, तब प्रकृति भी उस दिव्य क्षण की साक्षी बन गई। उनके जन्म के बाद एक माह तक सूर्य अस्त नहीं हुआ। चारों ओर प्रकाश ही प्रकाश छाया रहा। सूर्य का निरंतर प्रकाश इस बात का संकेत था कि अब अधर्म का नाश और धर्म की स्थापना निश्चित है। यह प्रसंग हमें यह संदेश देता है कि जब हमारे जीवन में भगवान का प्रकाश आता है, तो अज्ञान और दुख रूपी अंधकार स्वत: दूर हो जाता है, और जीवन में सुख, शांति तथा सही मार्ग का उदय होता है। आज का युवा यदि संयम, अनुशासन और संस्कारों के साथ जीवन जीने का संकल्प ले, तो न केवल उसका स्वयं का भविष्य उज्ज्वल होगा, बल्कि परिवार में सुख-शांति और देश में प्रगति की राह भी खुलेगी।

स्वास्थ्य प्रोग्राम की समीक्षा बैठक ली

गोगावा, निप्र। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोगावा में समीक्षा बैठक आयोजित की गई बैठक में विकासखंड के समस्त सुपरवाइजर, सी एच ओ,एएनएम एमपीएचडब्ल्यू उपस्थित रहे मीटिंग में बीएमओ डॉक्टर एहमद रजा खान द्वारा समस्त प्रोग्राम की समीक्षा की गई।

इसमें अनमोल पोर्टल पर गर्भवती महिलाओं का पंजीयन, प्रथम तिमाही में पंजीयन, हाई रिस्क गर्भवती महिला की पहचान एवं उसका प्रबंधन, 100 दिवस टीबी प्रोग्राम, यूवीन पोर्टल पर समय से बच्चों की एंट्री करना, टीकाकरण प्रोग्राम, मिशन विकास पखवाड़ा अंतर्गत परिवार नियोजन के साधनों की जानकारी, सेम, मेन एवं एन आर सी के बच्चों का फॉलोअप की समीक्षा की गई जिन उप स्वास्थ्य केंद्र का लक्ष्य अनुसार पूर्ति कम है उनको पूर्ण करने के निर्देश दिए अशोक कुशवाहा एम आई द्वारा मलेरिया दिवस की शपथ दिलाई एवं मच्छरों से होने वाली बीमारियों मलेरिया एवं डेंगू के संबंध में विस्तार से जानकारी देकर उनके बचाव के तरीके बताएं मीटिंग में बीपीएम अशीष पवार बी ई ई,परसराम क्षेत्रे, बीसीएम जितेंद्र पाटीदार द्वारा मीटिंग में जानकारी दी गई।

समर कैंप ग्रीष्मकाल में नहीं, ठंड के मौसम में लगाएं : जगदीश यादव

बिस्टान, निप्र। राज्य शिक्षक संघ मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश यादव ने लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा ग्रीष्मावकाश के दौरान प्रदेश के विद्यालयों में समर कैंप आयोजित किए जाने संबंधी आदेश पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि यह निर्णय व्यावहारिक परिस्थितियों के अनुरूप नहीं है।

उन्होंने शासन से मांग की है कि विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के हित में ऐसे शिविर ग्रीष्मकाल के स्थान पर शीतकाल में आयोजित किए जाएं। जगदीश यादव ने कहा कि ग्रीष्मावकाश शिक्षक एवं विद्यार्थियों के लिए वर्षभर की शैक्षणिक व्यस्तता के बाद विश्राम, पारिवारिक समय और मानसिक ताजगी का अवसर होता है। ऐसे समय में शिक्षकों और विद्यार्थियों को विद्यालय बुलाना उचित नहीं है। प्रदेश में इस समय अत्यधिक तापमान होने से विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रदेश के अनेक जिलों में तापमान 45 डिग्री के आसपास पहुंच रहा है। ऐसी स्थिति में छोटे बच्चों को विद्यालय बुलाना जोखिमपूर्ण निर्णय साबित हो सकता है। लू, डिहाइड्रेशन और अन्य मौसमी बीमारियों का खतरा भी बना रहेगा। जगदीश यादव ने यह भी कहा कि प्रदेश में कार्यरत अतिथि शिक्षकों की सेवाएं 30 अप्रैल तक निर्धारित हैं, जबकि समर कैंप मई माह से प्रस्तावित हैं। ऐसे में व्यवस्थाओं को लेकर भी असमंजस की स्थिति उत्पन्न होगी। जगदीश यादव ने सुझाव दिया कि यदि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु शिविर आयोजित करना आवश्यक है, तो उनका आयोजन नवंबर-दिसंबर अथवा शीतकालीन अवकाश में किया जाए। उस समय मौसम अनुकूल रहेगा, विद्यार्थियों की उपस्थिति बेहतर होगी। शिक्षक भी पूर्ण उत्साह से भागीदारी कर सकेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री से आग्रह किया है कि शिक्षक, विद्यार्थी और अभिभावकों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए समर कैंप संबंधी आदेश पर पुनर्विचार कर इसे शीतकाल में आयोजित करने का निर्णय लिया जाए।

सखी वन स्टॉप सेंटर में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

खरगोन, निप्र। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मण्डलेश्वर श्री अखिलेश जोशी के निर्देशानुसार आज सखी वन स्टॉप सेंटर, महिला एवं बाल विकास विभाग, खरगोन में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मण्डलेश्वर प्रीति जैन ने महिलाओं के लिए संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं, विधिक सेवाओं एवं नि:शुल्क कानूनी सहायता से संबंधित जानकारी प्रदान की। उन्होंने महिलाओं से हिंसा से दूर रहकर न्यायिक प्रक्रिया को अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री चंद्रेश मंडलोई द्वारा नालसा एवं सालसा द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र व्यक्तियों को इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सखी वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक सरस्वती सोनी, संस्था के कर्मचारी और पैरालीगल वॉलिंटियर नीलम ओमप्रकाश पगारे उपस्थित रहे। शिविर का उद्देश्य महिलाओं में विधिक जागरूकता बढ़ाना एवं उन्हें सशक्त बनाना रहा।

एक नजर में — व्यापारी एसोसिएशन ने वारदात का खुलासा किए जाने पर 51 हजार रुपए पुलिस फंड में देने की घोषणा की

अनाज व्यापारी का 23 लाख 30 हजार से भरा बरामद, बदमाश फरार

नवभारत न्यूज

खरगोन, निप्र। शहर के सीसीबी बैंक के सामने दाता हनुमान मंदिर द्वार क्षेत्र से दिनदहाड़े चोरी हुआ रुपयों से भरा झोला मामले पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने अनाज व्यापारी की कार से चोरी हुए 23 लाख 30 हजार रुपए बरामद कर लिए है, हालांकि रुपए चुराने वाले बदमाश पुलिस गिरफ्त से दूर है।

घटना के खुलासे पर व्यापारी एसोसिएशन ने पुलिस का आभार जताते हुए 51 हजार रुपये पुलिस फंड में इनाम स्वरूप देने की की। रविवार को मामले का खुलासा करते हुए एसपी रविंद्र वर्मा ने बताया 21 अप्रैल को ताहिर खान ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह अनाज व्यापारी दिनेश जायसवाल की साक्षी सेल्स नामक फर्म पर मुनीम का काम करता है। 21 अप्रैल को वह बैंक खाते से 27 लाख रुपये नकदी लेकर लौट रहा था। दाता हनुमान मंदिर वाली गली में जब चाय दुकान पर रुका। अनाज व्यापारी से फोन पर बात कर रहा था। करीब 5 मिनिट में चाय पीकर जब गाड़ी तरफ देखा तो गाड़ी में रखा 23 लाख 30 हजार रुपये से भरा झोला गायब था और दरवाजा खुला था। दिनदहाड़े हुई उक्त चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए टीम का गठन कर चोरों की तलाश शुरु की गई। सीसीटीवी फुटेज चेक करने पर दो संदिग्ध बाईक पर चोरी किया हुआ झोला ले जाते नजर आए। जिन्हें चिह्नित कर संदिग्धों के भागने वाले रूट कसरावद रोड़, खलघाट, मानपुर, राऊ, इंदौर बाइपास तेजाजी नगर रोड, माँगलिया टोल, देवास टोल, मकसी टोल, शाजापुर, सारंगपुर, उदनखेड़ी व राजगढ़ पचोर आदि स्थानों के लगभग 250 से 300 सीसीटीव्ही कैमरों के फूटेज को फॉलो किया। अंतत: इस चोरी के तार राजगढ़ जिले की कडिया सांसी गांव से जुड़ते नजर आए। गांव पहुंचने पर दोनों आरोपियों की सतत निगरानी रखने पर आरोपियों के ग्राम गुलखेडी व पचौर के बीच जंगल में चुराये हुए रुपयो को आपस में बंटवारा करने की सूचना मिली। आरोपियों को घेर कर पकडने का प्रयास किया, किन्तु आरोपी भौगोलिक स्थिति से परिचित होते हुए पुलिस को देखकर जंगल व दुर्गम कठिन रास्तो का फायदा उठाकर भाग निकले। भागने के दौरान चोरी किए 23 लाख 30 हजार रुपये, बैक ऑफ बडौदा की चार चैक बुक व छे फोटो लिखा झोला छोड़ गए, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया।